

ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-- खण्ड 3-- उपखण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 417]

नई विल्लो, सोमबार, प्रक्तूबर 6, 1975/म्राहियन 14, 1897

No. 417]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 6, 1975/ASVINA 14, 1897

इस भाग में भिन्न पूष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES (Department of Industrial Development)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 6th October 1975

- S.O. 592(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Copper (Prohibition of Use in the manufacture of Electrical Cables and Wires) Order, 1970, namely:—
- 1. (i) This Order may be called the Copper (Prohibition of Use in the Manufacture of Electrical Cables and Wires) Amendment Order, 1975.
 - (ii) It shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.
- 2. In clause 4 of the Copper (Prohibition of Use in the Manufacture of Electrical Cables and Wires) Order, 1970, for sub-clause (1), the following sub-clause shall be substituted, namely:—
 - "(1) Any Police Officer not below the rank of Assistant Sub-Inspector or any other officer of an equivalent rank authorised in this behalf may, with a view to securing compliance with this Order or to satisfying himself that this Order has been complied with, and with such assistance, if any, as he thinks fit—
 - (i) enter upon and search any premises, any vehicle or vessel in which such officer has reason to believe that any of the provisions of this Order has been, is being, or is about to be, contravened;
 - (ii) seize copper in respect of which he has reason to believe that any of the provisions of this Order has been, is being, or is about to be, contravened."

 [No. F.11/43/69-El.Ind.]

उद्योग ग्रौर नागरिक पूर्ति मंत्रासय

(श्रीद्योगिक विकास विभाग)

श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 6 ग्रक्तूबर, 1975

- का० भा० 592(भ).—-ग्रावश्यक वस्तु श्रिधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार तांवा (विद्युत् कैंबिलों ग्रीर तारों के विनिर्माण में उपयोग का प्रतिषेध) ग्रादेश, 1970 में ग्रीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित ग्रादेश करती है, ग्रर्थात् :--
- (i) इस म्रादेश का नाम तांबा (विद्युत्—कैंबिलों म्रौर तारों के विनिर्माण में उपयोग का प्रतिषेध) संशोधन म्रादेश, 1975 है।
 - (ii) यह राजपत में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।
- 2. तांबा (विद्युत्-कैबिलों श्रीर तारों के विनिर्माण में उपयोग का प्रतिषेध) द्यादेश, 1970 के खंड 4 में, उपखंड (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उपखंड रखा जाएगा, श्रर्यात :—
 - "(1) कोई भी पुलिस अधिकारी, जो सहायक उप-निरीक्षक की पंक्ति से नीचं की पंक्ति का न हो, या इस निमित्त प्राधि हात समतुल्य पंक्ति का कोई श्रम्य अधिकारी, इस आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने या अपना यह समाधान करने की दृष्टि से कि इस आदेश का अनुपालन किया गया है, और ऐसी सहायता, यदि कीई हो, के साथ, जिसे वह ठीक समझे,
 - (i) िकसी स्थान, िकसी यान या जलयान में, जिसके बारे में ऐसे ग्रिधिकारी के पास यह विश्वास करने का कारण है िक उसमें इस आदेश के िकसी उपबन्ध का उल्लंघन किया गया है, िकया जा रहा है, या िकया जाने वाला है, प्रवेश कर सकेगा और उसकी तलाशी ले सकेगा;
 - (ii) ऐसे तांबे का स्रिभिग्रहण कर सकेगा, जिसके बारे में उसके पास यह विश्वास करने का कारण है, कि उसके सम्बन्ध में इस ग्रादेश के किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया गया है, किया जा रहा है, या किया जाने वाला है।"

[सं० फा० 11/43/69-ई०एल०ग्राई एन डी]

- S.O. 593(E).—In exercise of the power conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order to amend the Electrical Cables and Wires Control Order, 1970, namely;—
- 1. (i) This Order may be called the Electrical Cables and Wires Control (Amendment) Order, 1975.
 - (ii) It shall come into force from the date of its publication in the Official Gazette.
- 2. In clause 8 of the Electrical Cables and Wires Control Order, 1970 for sub-clause (i), the following sub-clause shall be substituted, namely:—
 - "(1) Any Police Officer not below the rank of Assistant Sub-Inspector or any other officer of an equivalent rank authorised in this behalf may, with a view

- to securing compliance with this Order or to satisfying himself that this Order has been complied with, and with such assistances, if any, as he thinks fit—
- (i) enter upon and search any premises, any vehicle or vessel in which such
 officer has reason to believe that any of the provisions of this Order
 has been, is being, or is about to be, contravened;
- (ii) scize any electrical cables or wires in respect of which he has reason to believe that any of the provisions of this Order has been, is being, or is about to be, contravened."

[No. F.11/43/69-El.Ind.]R. K TIKKU, Jt. Secy.

का॰ ग्रा॰ 593(ग्र).—-श्रावश्यक वस्तु श्रिधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शिवनयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार विद्युत् कैंबिल श्रीर तार नियन्त्रण ग्रादेश, 1970 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित श्रादेश करती है, श्रर्थात् :—

- (i) इस भ्रादेश का नाम विद्युत्—कैबिल श्रौर ॄितार नियन्त्रण (संशोधन) श्रादेश,
 1975 हैं।
 - (ii) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा ।
- 2. विद्युत्—कैबिल ग्रीर तार नियन्त्रण ग्रादेश, 1970 के खंड 8 में , उपखंड (i) के स्थान पर, निम्नलिखित उपखंड रखा जाएगा, श्रर्थात :——
 - "(1) कोई भी पुलिस श्रधिकारी, जो सहायक उप-निरीक्षक की पंक्ति से नीचे की पंक्ति का न हो, या इस निमित्त प्राधिकृत समतुल्य पंक्ति का कोई श्रन्य श्रधिकारी, इस श्रादेश का अनुपालन सुनिश्चित करने या श्रपना यह समाधान करने की दृष्टि से कि इस श्रादेश का श्रनुपालन किया गया है, श्रीर ऐसी सहायता, यदि कोई हो, के साथ, जिसे वह ठीक समझे,—
 - (i) किसी स्थान, किसी यान या जलयान में जिसके बारे में ऐसे श्रिधकारी के पास यह विश्वास करने का कारण है कि उसमें इस आदेश के किसी उपबन्ध का उल्लंघन किया गया है, किया जा रहा है, या किया जाने वाला है, प्रवेश कर सकेगा श्रीर उसकी तलाशी ले सकेगा;
 - (ii) ऐसे विद्युत्-केबिलों या तारों का श्रिभग्रहण कर सकेगा, जिसके बारे में उसके पास यह विश्वास करने का कारण है कि उसके संबंध में इस श्रादेश के किसी उपबन्ध का उल्लंधन किया गया है, किया जा रहा है, या किया जाने वाला है।

[सं० फा० 11/43/69-ई० एल० आई एन डी] श्रार० के० टिक्कू, संयुक्त सचिव।